मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 215, मुंबई, बुधवार, 4 नवंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में फिर बढ़ेगा कोरोना

नई रिसर्च में दावा

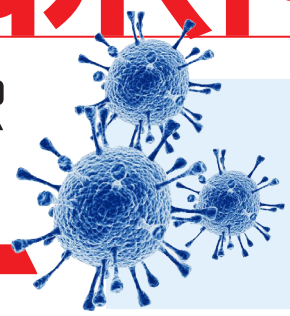

फेस्टिवल में लोगों को दूरी बनाने की सलाह

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण की अगली स्पाइक (उच्च दर) जुलाई व सितंबर की तरह फिर सामने आ सकती है। यह दावा किया है मुंबई के कोलाबा स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च के वैज्ञानिकों ने। एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में स्लम और गैर स्लम आबादी बड़े स्तर पर जनवरी 2021 तक कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ सकती है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

जनवरी 2021 में आ सकता है कोरोना का पीक

मैग्नेटिक महाराष्ट्र 2.0ः उद्धव सरकार ने 15 कंपनियों के साथ किया 34 हजार करोड़ का करार

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

माथेरान टॉय ट्रेन सेवा चार नवंबर से होगी बहाल

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के लोकप्रिय हिल स्टेशन माथेरान में करीब आठ महीने बाद चार नवंबर से टॉय ट्रेन का परिचालन शुरू होगा। कोविड-19 के मद्देनजर यह सेवा मार्च में निलंबित की गई थी। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मध्य रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार छोटी लाइन (नेरो गेज) नेरल-माथेरान के अमन लॉज-माथेरान खंड पर चार शटल वाली सेवा शुरू होगी। विज्ञप्ति के अनुसार पहली शटल सेवा माथेरान से सुबह नौ बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी जबकि अंतिम सेवा अमन लॉज स्टेशन से शाम चार बजकर 25 मिनट पर रवाना होगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

एक्टर विजय राज पर महिला क्रू मेंबर से छेड़छाड़ का आरोप

गिरफ्तारी के बाद मिली जमानत

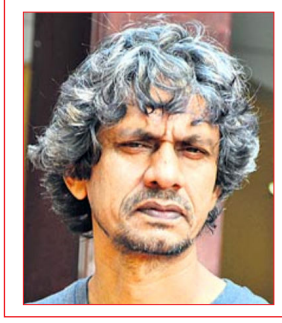

'कौवा बिरयानी' सीन के लिए हुए थे फेमस

संवाददाता

मुंबई। एक्टर विजय राज पर एक महिला क्रू मेंबर से छेड़छाड़ करने का आरोप है। विजय राज को गोंदिया से गिरफ्तार किया गया था। एडिशनल एसपी अतुल कुलकर्णी ने बताया कि अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। 2 नवंबर की रात शेरनी फिल्म की शूटिंग में सहयोगी सदस्य के रूप में काम करने आई एक महिला ने विजय राज द्वारा द गेटवे होटल में छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कारखानों से अच्छी खबर

बुरी खबरों का अभी अंत नहीं हुआ। खासकर कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़ी खबरों ने फिलहाल थोड़ी राहत भले ही दी हो, लेकिन खतरा टला नहीं है, इसके संकेत भी साफ हैं। और जहां तक समाज व अर्थव्यवस्था पर पड़े इसके असर का मामला है, अभी इन सबसे उबरने में काफी वक्त लग सकता है, लेकिन अच्छी बात यह है कि नवंबर की शुरूआत शुभ समाचारों के साथ हुई है। पहले ही दिन खबर आई कि अक्तूबर का जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कि अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर लौटने का सबसे बड़ा संकेत माना जा सकता है। सोमवार को जो खबर आई है, वह इससे भी ज्यादा राहत देने वाली है। फैक्टरी उत्पादन का हाल बताने वाला निक्कई परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स अक्तूबर महीने में 58.9 पर पहुंच गया है। यह सितंबर महीने से दो अंक ज्यादा तो है ही, लेकिन इसके साथ ही, ज्यादा बड़ी खबर यह है कि अगर इस सूचकांक के हिसाब से देखें, तो यह पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय का सबसे ऊंचा स्तर है। साथ ही, इंडेक्स का यह स्तर उस पृष्ठभूमि को देखते हुए भी महत्वपूर्ण है कि इस साल की पहली तिमाही में शून्य से लगभग 24 फीसदी नीचे तक गोता लगा गई थी और जिन क्षेत्रों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई थी, उनमें एक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी था। वैसे अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है, इसके संकेत तो हमें सितंबर महीने से ही मिलने लग गए थे। अक्तूबर में तमाम तरह के आंकड़े यह बताने लग गए थे कि बाजार से हताशा के बादल अब छंटने लग गए हैं। खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र के आंकड़े इतने बेहतर थे कि हैरान कर रहे थे। दुपहिया वाहनों और कारों की बिक्री खासी उम्मीद बंधा रही थी। हालांकि साथ ही, यह भी कहा जा रहा था कि इनकी बिक्री में बढ़त की एक वजह यह है कि सार्वजनिक परिवहन पर रोक और उसके खतरों के चलते लोगों के लिए अब अपने वाहन से यात्रा ही ज्यादा सुविधाजनक हो गया है। लेकिन जीएसटी का संग्रह जिस तरह से बढ़ा है, वह बताता है कि अक्तूबर महीने में कारोबार चौतरफा बढ़ा है। एक दूसरा संकेत मुद्रास्फीति भी दे रही है। यह ठीक है कि मुद्रास्फीति जिस तरह से बढ़ी है, वह अर्थव्यवस्था और खासकर गरीबों के लिए बहुत बुरी है, लेकिन वह यह तो बताती ही है कि बाजार में मांग बढ़ी है। जाहिर है, इसी मांग की आपूर्ति के लिए फैक्टरियों ने उत्पादन भी बढ़ाया है और यह अब सूचकांक से भी जाहिर है। हालांकि इस क्षेत्र की सारी समस्याएं खत्म हो गई हैं, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। एक तो अभी भी शायद ही यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पा रहा है। लॉकडाउन के दौरान बंद बहुत सी छोटी इकाइयां अभी भी नहीं खुल सकी हैं। इस क्षेत्र में बेरोजगार हो गए सभी लोगों को रोजगार मिल गया हो, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन फिलहाल का सच यही है कि स्थितियां अब उतनी भी खराब नहीं हैं, जितनी पांच-छह महीने पहले लग रही थीं। कोरोना संक्रमण के सच को स्वीकार करते हुए देश ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया है, लेकिन लंबा रास्ता अभी बाकी है। यह ठीक है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आई है, लेकिन जरूरी है, उसका इन पटरियों पर रफ्तार पकड़कर मंजिल की ओर बढ़ना। हमारी सरकारों और वित्तीय संस्थाओं को अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

जीएसटी पर केंद्र और राज्यों के बीच टकराव

केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति बनाते हुए उनके लगभग सभी अप्रत्यक्ष करों को समाहित करते हुए जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर के नाम से एक कर वर्ष 2017 के जुलाई माह से लागू कर दिया गया। गौरतलब है कि जीएसटी लागू होने के बाद इस कर से होने वाले संपूर्ण राजस्व के दो बराबर के हिस्से होते हैं। इसमें से एक हिस्सा केंद्र सरकार के पास आता है और दूसरा राज्यों के पास। वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्र के सभी करों में राज्यों का हिस्सा निश्चित होता है। वर्तमान में यह हिस्सा 42 प्रतिशत है। यानी जीएसटी की कुल प्राप्तियों में से 71 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के पास जाता है। जिस समय जीएसटी प्रणाली लागू की गई थी, राज्यों में यह चिंता व्याप्त थी कि नई प्रणाली में उनका राजस्व घट सकता है, इसलिए कई राज्य जीएसटी प्रणाली के लागू होने का विरोध कर रहे थे। ऐसे में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने एक फामूर्ला लागू किया, जिसके अनुसार राज्यों को उनके उन करों से प्राप्त आमदनियों को न केवल जीएसटी में राज्यों के हिस्से में सुनिश्चित किया जाएगा, बल्कि उनमें हर वर्ष 14 प्रतिशत की वृद्धि की भी गारंटी होगी। ऐसी व्यवस्था पांच वर्ष तक चलेगी।

केंद्र सरकार की यह अपेक्षा थी कि जीएसटी एक महत्वपूर्ण कर सुधार है और इससे न केवल कर एकत्रीकरण में कुशलता बढ़ेगी, बल्कि इससे करों की चोरी भी थमेगी और करों के कारण बिना वजह कीमत बढ़ने (कासकेडिंग इफेक्ट) जैसी स्थिति भी समाप्त होगी। इसका अभिप्राय यह होगा कि एक ओर कर राजस्व बढ़ेगा तो दूसरी ओर उपभोक्ताओं को भी इस व्यवस्था का लाभ होगा, क्योंकि इससे कीमतें भी कम होंगी। हालांकि जीएसटी को व्यवस्थित होने में थोड़ा समय लगा, और जीएसटी से कुल प्राप्तियां घटती-बढ़ती रहीं। जहां सरकार की यह अपेक्षा थी कि हर महीने जीएसटी से कुल प्राप्तियां कम से कम एक लाख करोड़ रुपये रहेंगी, दिसंबर 2019 तक के जीएसटी के 30 महीनों में से सिर्फ नौ महीनों में ही एक लाख करोड़ रुपये या उससे ज्यादा की जीएसटी की प्राप्तियां हुई। इसका एक प्रमुख कारण देश में अपेक्षा से कम जीडीपी ग्रोथ था। स्वाभाविक तौर पर इसके कारण, खासतौर पर वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर अपने वचन के अनुसार राज्यों की भरपाई के कारण बोझ बढ़ गया।

गौरतलब है कि जीएसटी पर एक सेस लगाकर केंद्र सरकार ने राज्यों के नुकसान की भरपाई का निश्चय किया। वर्ष 2017-18 में यह भरपाई 41,146 करोड़ रुपये और 2018-19 में 69,275 करोड़ रुपये की रही। वर्ष 2019-20 में हालांकि जीएसटी की औसतन प्राप्तियां लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रही, लेकिन राज्यों के राजस्व की भरपाई की अपेक्षा पिछले साल से भी ज्यादा हो गई। पिछले वर्ष का बकाया अभी बाकी था, कि नए वित्तीय वर्ष 2020-21 के पहले ही माह से जीएसटी की प्राप्तियां कोविड-19 महामारी के चलते नीचे जाने लगी। हम देखते हैं कि अप्रैल माह में जीएसटी की कुल प्राप्ति 32,172 करोड़ रुपये, मई माह में 62,152 करोड़ रुपये, जून में 90,917 करोड़ रुपये, जुलाई में 87,422 करोड़ रुपये और अगस्त माह में 86,449 करोड़ रुपये और सितंबर माह में 95,480 करोड़ रुपये रही। हालांकि कोविड महामारी में लॉकडाउन के कारण जीएसटी राजस्व प्रभावित होने के बाद, अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने के साथ-साथ राजस्व पुनः पटरी पर लौट रहा है, लेकिन राजस्व के नुकसान के बावजूद केंद्र के वचन के अनुसार राज्यों की भरपाई करना केंद्र का दायित्व बना हुआ है। चूंकि केंद्र के पास भी राजस्व घटा है, लिहाजा वह भी भरपाई करने में स्वयं को असमर्थ पा रही है। इन परिस्थितियों के संदर्भ में बीते माह ही जीएसटी काउंसिल की बैठक संपन्न हुई, लेकिन इस हेतु मतैक्य के साथ समाधान नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि चालू वित्तीय वर्ष में 2.35 लाख करोड़ रुपये के राजस्व की कमी रहेगी। केंद्र सरकार ने राज्यों को यह सुझाव दिया है कि वे इस कमी को पूरा करने के लिए वे उधार लेना शुरू करें, लेकिन सभी राज्यों में इस बाबत सहमति नहीं बन पाई है। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को दो विकल्प दिए हैं। एक विकल्प यह है कि राज्य सरकारें इस राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये का उधार उठाएंगी और उसके मूल और ब्याज दोनों की अदायगी भविष्य में विलासिता वाली वस्तुओं एवं अवगुण वाली वस्तुओं पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्त्त सेस से की जाएगी। दूसरा विकल्प यह है कि राज्य सरकारें पूरे के पूरे नुकसान 2.35 लाख करोड़ रुपये का उधार लेंगी, लेकिन उस परिस्थिति में मूल की अदायगी तो क्षतिपूर्त्त सेस से की जाएगी, लेकिन ब्याज के बड़े हिस्से की अदायगी उन्हें स्वयं करनी होगी। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू करने से पहले ही केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आपस में इस बात पर सहमति कायम करने का प्रयास किया गया था कि इसके माध्यम से प्राप्त राजस्व में केंद्र और राज्यों के बीच रकम का बंटवारा किस तरह से किया जाएगा।

कोरोना काल के संकटों का सामना करते हुए शिक्षा व्यवस्था की गुणात्मकता को बेहतर बनाना है

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर काम शुरू कर दिया है। कई राज्य सरकारों एवं उच्च शिक्षा के संस्थानों ने इसके लिए समितियां भी बना दी हैं। कोरोना काल की चुनौतियों का सामना करते हुए शिक्षा मंत्रालय ने नीट एवं जेईई जैसी प्रमुख परीक्षाओं का संचालन किया एवं उसके परिणाम भी घोषित हो चुके हैं। परीक्षाओं को लेकर लोगों के मन में जो शंकाएं थीं, उनका समाधान हो चुका है। इन शंकाओं से उभरे राजनीतिक विरोध को भी शिक्षा मंत्रालय ने बखूबी संभाला, लेकिन इस बीच एक प्रश्न यह उठ रहा है कि इस नई शिक्षा नीति में दलितों, पिछड़ों, जनजातीय समूहों एवं अल्पसंख्यकों के लिए क्या है? अगर नई शिक्षा नीति का आधार पत्र पढ़ें तो उसमें इन समस्त समूहों को सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह (एसईडीजी) में रखा

गया है। इस श्रेणी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े, महिलाओं, ट्रांसजेंडर जैसे उन अनेक सामाजिक समूहों को रखा गया है, जो अभी भी वंचित बने हुए हैं। शिक्षा नीति के इस अवधारणा पत्र में इन सामाजिक समूहों के लिए पहले से चली आ रही सफल योजनाओं को जारी रखने की बात कही गई है। वे योजनाएं चाहें संप्रग की सरकार के समय में बनी हों या नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में लाई गई हों, उन्हें निरस्त नहीं किया गया है। नई शिक्षा नीति में वंचित समूहों के शैक्षिक-समाहन के लिए स्पेशल एजुकेशनल जोन (एसईजेड) का प्रावधान किया गया है। इसके तहत ऐसे क्षेत्र जहां इन वंचित समूहों की संख्या ज्यादा है, उनका चयन किया जाएगा। इन विशिष्ट शैक्षिक जोन में अनेक नई और सहयोगी योजनाएं चलाकर ऐसे सामाजिक-आर्थिक और अन्य तरह के वंचितों के शैक्षिक समाहन का कार्य संपादित करने की रणनीति अपनाई गई है। इसके साथ ही प्रत्येक शिक्षा कैंपस में ऐसे समूहों के लिए सहज स्वीकार का वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता दर्शाई गई है। इसके लिए शिक्षा मंत्रालय को देश के सभी शिक्षा संस्थानों के कैंपस में 'समावेशन मॉनिटरिंग' एवं चेतना जागरण के अभियान चलाने होंगे। समावेशन मॉनिटरिंग के तहत शिक्षा संस्थानों में समावेशन के लिए पहले से चले आ रहे ढांचे को दुरुस्त करना होगा तथा नवोन्मेषी प्रावधान भी करने ही होंगे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
4 नवंबर, 2020

03

मैग्नेटिक महाराष्ट्र 2.0: उद्धव सरकार ने 15 कंपनियों के साथ किया 34 हजार करोड़ का करार

23 हजार 182 लोगों को मिलेगा रोजगार

मुंबई। कोरोनाकाल में प्रदेश सरकार ने विभिन्न देशों की 15 कंपनियों के साथ 34 हजार 850 करोड़ रुपए का करार किया है। इससे प्रदेश में 23 हजार 182 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। सोमवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में एमआईडीसी और विभिन्न कंपनियों के बीच करार पर हस्ताक्षर हुआ। राज्य अतिथिगृह सहयाद्री में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई और उद्योग राज्य मंत्री आदिती तटकरे मौजूद रहीं। राज्य में मैग्नेटिक महाराष्ट्र 2.0 के तहत सिंगापुर, जापान, भारत, स्पेन, यूके की कंपनियों के साथ करार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि केमिकल, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां निवेश के लिए इच्छुक है। देश में महाराष्ट्र डेटा सेंटर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले बार हुए करार की कई प्रक्रिया पूरी हो गई है। लगभग 60 प्रतिशत उद्योगों का जमीन अधिग्रहण पूरा हो चुका है।

करार करने वाली मुख्य कंपनियां

- भारत की लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की मालपानी वेयरहाउसिंग एंड इंडस्ट्रियल पार्क कंपनी ने 950 करोड़ रुपए के निवेश के लिए करार किया है। इसके जरिए 8 हजार रोजगार पैदा हो सकेंगे।
- भारत लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की ईश्वर लॉजिस्टिक्स पार्क कंपनी 395 करोड़ रुपए का निवेश करके 2200 लोगों को रोजगार देगी।
- जापान की इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राज्य में 490 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इससे 350 लोगों को रोजगार मिल सकेगा।
- भारत की ब्राईट सिनो होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 1800 करोड़ रुपए का करार किया है। इससे 1575 नए रोजगार का सृजन होगा।
- भारत की रसायन क्षेत्र की ओरिएंटल एरोनाटिक्स ने 265 करोड़ रुपए का करार किया है। यह कंपनी 350 लोगों को रोजगार देगी।
- भारत की डेटा सेंटर क्षेत्र की नेस्ट्रा कंपनी 2 हजार 500 करोड़ रुपए का निवेश करके 2 हजार लोगों को रोजगार देगी। इसके अलावा कई अन्य कंपनियों ने निवेश के लिए करार किया है।

'भाजपा मेट्रो कार शेड का काम केंद्र सरकार के जरिए रोकने का प्रयास कर रही'

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा केंद्र सरकार के जरिए मेट्रो कार शेड परियोजना का काम रोकने की साजिश रच रही है, साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि कंजुरमार्ग मेट्रो कार शेड वाली भूमि उसकी है। हालांकि, भाजपा विधायक आशीष शेलार ने कहा कि उद्धव ठाकरे नीत सरकार अपने कामकाज को लेकर भ्रम पैदा कर रही है और प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं को धीमा कर रही है। ठाकरे ने आरे मेट्रो कार शेड परियोजना को समाप्त करने की पिछले महीने

घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि अब यह परियोजना कंजुरमार्ग में सरकारी भूमि पर बनेगी और स्थानांतरण में कोई खर्च नहीं आएगा। इससे पहले देवेंद्र फडणवीस नीत पिछली सरकार ने मेट्रो कार शेड के लिए मुंबई के हरित क्षेत्र आरे कॉलोनी में भूमि चिह्नित की थी। मलिक ने कहा कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग ने इस मुद्दे पर राज्य के मुख्य सचिव संजय कुमार को लिखे पत्र में कहा है कि कार शेड परियोजना के लिए भूमि 'गलत तरीके से' आवंटित की गयी है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि राज्य की है और परियोजना उसी जगह लगाई जाएगी। मलिक ने कहा, पहले भाजपा के लोग कह रहे थे कि यह निजी भूमि है। अब केंद्र (पत्र में) कह रहा है कि जमीन उसकी है। राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने एक वीडियो संदेश में कहा, यह सब देखकर ऐसा लगता है कि भाजपा के लोग मेट्रो के कार्य में रोड़ा अटकाना चाहते हैं।

कंगना और उनकी बहन को पुलिस के सामने पेश होने के लिए मिला दूसरा नोटिस

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल को अपनी टिप्पणियों के जरिये विभिन समुदायों के बीच कथित तौर पर वैमनस्य को बढ़ावा देने के मामले में बयान दर्ज कराने के लिये दूसरा नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके पहले बांद्रा पुलिस ने इस मामले में अभिनेत्री और उनकी बहन को बयान दर्ज कराने के लिए 21 अक्टूबर को पहला नोटिस जारी किया था। हालांकि कंगना के वकील ने नोटिस का जवाब भेजा था जिसमें कहा गया था कि कंगना फिलहाल हिमाचल प्रदेश में हैं और अपने चचेरे भाई की शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं। बांद्रा पुलिस ने अब दोनों को इस मामले में अपने बयान दर्ज कराने के लिए 10 नवंबर को थाने में मौजूद रहने के लिए दूसरा नोटिस भेजा है। बांद्रा मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने पिछले महीने बॉलीवुड के एक कास्टिंग डायरेक्टर और फिटनेस ट्रेनर मुनव्वर अली सैयद की शिकायत पर पुलिस को जांच करने के आदेश दिए थे। यह शिकायत कंगना और उनकी बहन के कथित बयानों को लेकर की गई थी।

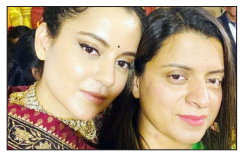

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई में फिर बढ़ेगा कोरोना

रिपोर्ट के मुताबिक, 26 अक्टूबर तक के मौजूदा डाटा के विश्लेषण के आधार पर मुंबई की 80 फीसदी स्लम या मलिन बस्ती में रहने वाली आबादी और 55 फीसदी गैर स्लम आबादी जनवरी 2021 तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकती है। साथ ही उनकी हर्ड इम्युनिटी भी विकसित हो सकती है। शोध में यह भी पाया गया है कि नवंबर के पहले सप्ताह यानी दिवाली के एक या दो हफ्ते बाद मुंबई में कोरोना का पीक फिर सामने आ सकता है। इस दौरान अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो सकती है। बीएमसी ने भी लोगों से त्योहारों में सतर्कता बरतने को कहा है। यह भी माना जा रहा है कि यह पहले की तुलना में कहीं अधिक तीव्र होगा। टाटा इंस्टिट्यूट के डीन डॉ. संदीप जुनेजा का कहना है कि अगर गणेशोत्सव की तरह लोग दीपावली में कम मिले-जुलेंगे तो संक्रमण कम होगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि अगस्त में हुए गणपति उत्सव की तुलना में मुंबई के ज्यादा से ज्यादा लोग अब कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। लोगों ने वायरस के खिलाफ किसी प्रकार की इम्यूनिटी विकसित की है। रिपोर्ट के अनुसार, नए अनुमान को नवंबर और जनवरी दोनों को देखते हुए विकसित किया गया है। इसे यह मानते हुए तैयार किया गया है कि अर्थव्यवस्था और स्थानीय ट्रेनें आम जनता के लिए पूरी तरह से चालू होंगी। हालांकि, टीम ने यह भी कहा कि 2021 में स्कूलों और कॉलेजों को फिर से खोलने से अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या ज्यादा नहीं होगी। डॉ. जुनेजा ने हॉस्पिटलाइजेशन पर अधिक जोर देते हुए कहा कि जनवरी 2021 की तुलना में 1 नवंबर को अस्पताल में भर्ती होने की दूसरी लहर काफी हद तक अधिक होगी। टीआईएफआर ने तीन वार्डों में बीएमसी के साथ सर्वे करते हुए कोविड 19 की व्यापकता का अध्ययन किया। जुलाई में किए गए एक अध्ययन में स्लम बस्तियों में 57 फीसदी और गैर-स्लम बस्तियों में 16 फीसदी कोविड 19 के प्रति एंटी बॉडीज थे, जो अगस्त में 42 प्रतिशत और 18 प्रतिशत थे।

एक्टर विजय राज पर महिला क्रू मेंबर से छेड़छाड़ का आरोप

गोंदिया शहर के रामनगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला की शिकायत पर भादवि की धारा 354 (अ) (ड) के तहत मामला दर्ज विजय राज को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार, विजय राज को आज यानी 3 नवंबर को रामनगर पुलिस द्वारा गोंदिया न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी। सूत्र के अनुसार विजय राज की ओर से पैरवी एडवोकेट वस्तानी की ओर से की गई। गोंदिया जिले से सटे मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में बॉलीवुड फिल्म शेरनी की शूटिंग जारी है। पिछले दिनों ही फिल्म की अभिनेत्री विद्या बालन को क्रू सदस्यों के साथ सेट पर पूजा करते देखा गया। ये सभी कलाकार गोंदिया के तीन सितारा होटल 'द गेटवे' में ठहरे हुए है। इससे पहले विजय राज 2005 में दुबई में ड्रग रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में वह जमानत पर रिहा हुए थे। विजयराज राज बॉलीवुड फिल्म 'रन' में अपने 'कौवा बिरयानी' वाले सीन के लिए बेहद लोकप्रिय हुए थे।

माथेरान टॉय ट्रेन सेवा चार नवंबर से होगी बहाल

छोटी लाइन ट्रेन में तीन द्वितीय श्रेणी, एक प्रथम श्रेणी और दो सामान्य कोच होंगे। यात्रियों को कोविड-19 संबंधित सभी दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। पिछले महीने मुख्यमंत्री ने रेलवे से इस खंड में सेवा बहाल करने का आग्रह किया था क्योंकि यहां यात्रा का साधन सिर्फ घोड़े और हाथ से चलने वाली गाड़ियां हैं। मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हालांकि नेरल-माथेरान ट्रेन सेवा बहाल करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

नेहरू युवा केंद्र मंबुई, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन के माध्यम से हो रहा कार्यक्रम फिट इंडिया कोविड-19, रूल्स एंड रगेलुशेन का एक मुहिम चलाया गया

नेहरू युवा केंद्र मंबुई, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन के माध्यम से हो रहा कार्यक्रम फिट ईंडिया कोविड-19, रूल्स एंड रगेलुशेन का एक मुहिम चलाया गया जिसमें कोरोना वायरस से बचने के लिए तरह-तरह की घरेलू उपचार एवं योगा के जरिए लोग को फिट रहने के लए कई तरीके बताए गए। दी ह्यूमन योगा फाउंडशेन के डायरेक्टर श्री योग गुरु ग्रैंड मास्टर राधेश्याम जी और उनकी टीम, रहिमन योगा फाउंडशेन की टीम ने बेजोड़ और मेहनत की, अपनी जान को खतरे में डालकर लोगों को योगा सिखाया और घरेलू उपचार के नियम बताते रहे सभी लोग को फिट रहनेका एक मोहिनी जो तैयार किया था योग गुरु ने वह काबिले तारीफ है, उनकी वजह से कई लोगों को वर्ली सी.फेस पर पैर की प्रॉब्लम, कंधे का प्रॉब्लम, जोड़ों का दर्द, पेट कम होना, सास ऊपर नीचे होना इन सभी चीजों का बारीकी से ध्यान रखते हुए योग योग गुरु राधेश्याम जी ने लोगों को योगा के जरिए फिट रहने का मार्ग दिखलाया साथ ही पिछले 4 महीनों से लॉकडाउन के चलते अपने सहेत पर ना ध्यान देकर लोगों की रक्षा करने कि जो उन्होंने बीड़ा उठाई थी उसमें सहयोगी योगा टीचर खुशी गुप्ता, शिवम शर्मा जी, प्रीति सोनार, अमित योगा टीचर, सुनील भारतीय, राकेश जसैवार और योगा टीचर अर्चना जी का अहम भूमिका कोविड-19, न्यूज नेशन मैं दिखाई दिया, साथ ही नेहरू युवा केंद्र मुंबई समन्वय डॉ कविता श्रीवास्तव के माध्यम से जो सभी लोग ने काम करके दिखलाया, नेहरू युवा केंद्र और उनके वॉलिंटियर सभी ने जी तोड़ काम किया है और दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन पिछले कई सालों से निशुल्क योगा सखाना, निशुल्क योगा टीचर बनाना, निशुल्क लोगों को मार्ग दिखाना कई सारे कैंप करके दिखलाएं है। अभी-अभी नेहरू युवा केंद्र एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार और दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन के जरिए ताड़देव पुलिस हेड क्वार्टर में 15 से 20 दिन का निशुल्क 'फिट इंडिया कोविड-19 रूल्स एंड रेगुलेशन' के कार्यक्रम और योगा के जरिए सभी भारत के जवान को सिखाने का काम योग गुरु ग्रैंडमास्टर राधेश्याम जी ने किया है। दिन रात एक करके मेहनत करते हैं और उनकी एनजीओ दि ह्यूमन योगा फाउंडेशन को अभी तक कोई प्रायोजक नहीं मिला जिससे कार्यक्रम करने में कठिनाइयां होती है। नेहरू युवा केंद्र और भारत के सभी गवर्नमेंट एनजीओ को गुजारिश है इस दि ह्यूमन योगा फाउंडेशन के काम को देखते हुए काम ज्यादा करें, लोगों तक अपने काम की प्रतिमा बढ़ाने के लिए सभी एनजीओ को देखना चाहिए, फंड देना चाहिए ताकि दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन की पूरी टीम और मेहनत करने मैं कोई हिचकिचाहट ना आए। नेहरू युवा केंद्र एवं खेल मंत्रालय के जरिए योग गुरु ने अपना प्लेटफार्म रखा है लोगों को भला करते हैं और योगा करा कर उनकी सेहत को मजबूत करते हैं और योग में बहुत सारी बीमारियों का इलाज निशुल्क सेवा भावना से करते हैं। योग गुरु राधे श्याम जी की एनजीओ को सभी लोगों को सपोर्ट करना चाहिए ताकि वह और काम कर पाए।

दिल्ली में लापरवाही ने बढ़ाई मुसीबत

कोरोना संक्रमण में तेजी के लिए त्योहारी सीजन भी जिम्मेदार : केंद्र

■ नई दिल्ली (संवाददाता)।

राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से रोज रेकॉर्ड संख्या में कोरोना के नए केस सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने इसके लिए त्योहारी सीजन, चहलपहल में इजाफा के साथ-साथ लोगों की लापरवाही को जिम्मेदार वताया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सोमवार को उच्चस्तरीय वैठक कर दिल्ली में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की।

गृह मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली के क्रिटिकल जोन में टेस्टिंग को और वढ़ाने की कोशिशें की जाएंगी। रेस्तरां, वाजार, सैलून, नाई की दुकान जैसी संवेदनशील जगहों में आरटीपीसीआर टेस्ट वढ़ाया जाएगा। दूसरी तरफ देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) की रोकथाम के लिए अधिक से अधिक जांच कर संक्रमितों का पता लगाने की मुहिम में एक नवम्बर तक कुल जांच का आंकड़ा 11 करोड़ को पार कर गया। वहीं देश में लगातार आठवें दिन कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 50 हजार से कम नए मामले सामने आए है और इससे स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक वनी रहने से मृत्यु और सक्रिय मामलों की दर में भी लगातार गिरावट आ रही है।

आरटी-पीसीआर टेस्ट बढ़ाने व कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पर जोर : संवेदनशील जगहों और रेस्तरां, वाजार, नाई की दुकानों और सैलून जैसे क्रिटिकल जोन में आरटीपीसीआर टेस्ट को वढ़ाया जाएगा। इसके अलावा ऐहतियात के तौर पर वेड, आईसीयू और वेंटिलेटर की संख्या में इजाफा किया जाएगा। संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए सभी लोगों का पता लगाने और क्वारंटीन

लगातार आठवें दिन 50 हजार से कम केस

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश में लगातार स्वस्थ होने वाले लागों की संख्या वढ़ने से कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5,61,908 रह गयी है। पिछले 24 घंटे में 45,231 नए मामले ही सामने आए। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना को मात देने वालों की दर वढ़कर 91.68 प्रतिशत हो गयी है।

में रह रहे लोगों की कारगर निगरानी को सुनिश्चित किया जाएदा ताकि संक्रमण की कड़ी टूट सके।

गृह मंत्रालय ने कहा, 'दिल्ली में ऐक्टिव केसों में हालिया उछाल के पीछे त्योहारी सीजन जिम्मेदार है जिसमें लोगों की चहल-पहल वढ़ती है और साथ ही कोरोना से वचाव वाले सुरक्षित व्यवहारों को लेकर लोगों की लापरवाही की जिम्मेदार है। 'दिल्ली के अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए पर्याप्त वेड उपलब्ध हैं। दिल्ली में कोरोना मरीजों के लिए कुल 15,789 वेड है जिनमें से 57 प्रतिशत खाली है। वैठक में दिल्ली में कोरोना संक्रमण के फैलने को रोकने की रणनीति पर चर्चा की गई। खासकर फेस्टिवल सीजन और वढ़ती ठंड के वीच वढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर वैठक में गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने चर्चा की।

लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जाएगा अभियान : नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा जागरूकता के लिए अभियान चलाया जाएगा जो इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्यूनिकेशन पर केंद्रित होगा। होम आइसोलेशन वाले सभी मामलों की पुख्ता निगरानी सुनिश्चित की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें समय से अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा।

उधर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि देश कोविड-19 से स्वस्थ होने के मामले में वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर वना हुआ है जवकि सक्रिय मामलों में निरंतर गिरावट देखी गई है।

केंद्र सरकार ने कई आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति में किया बदलाव, कैबिनेट समिति ने लगाई मुहर

संवाददाता

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने कई आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति में बदलाव किया है। मंगलवार को जारी एक आदेश के अनुसार विद्युत मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव संजय मल्होत्रा को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। कपड़ा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के रूप में सेवा दे रहे आईएएस अधिकारी विजय कुमार सिंह को कपड़ा मंत्रायलय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अतुल कुमार तिवारी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में संयुक्त सचिव कैलाश चंद गुप्ता को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव चंद्र शेखर कुमार को पंचायती राज मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। आदेश के अनुसार शिक्षा मंत्रालय में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक विनीत जोशी को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में अतिरिक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। जोशी के पास एनटीए महानिदेशक का पद भी रहेगा। वहीं, हुकुम सिंह मीणा को भू संसाधन विभाग में अतिरिक्त सचिव के तौर पर नियुक्त किया गया है। रक्षा उत्पादन विभाग में अतिरिक्त सचिव वीएल कांत राव को रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) का पदभार दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव मनोहर अगनानी को इसी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के तौर पर नियुक्ति दी गई है। रक्षा उत्पादन विभाग में संयुक्त सचिव संजय जाजू को इसी विभाग में अतिरिक्त सचिव के तौर पर नियुक्ति दी गई है। बिजली मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक कुमार देवांगन को इसी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव का पदभार दिया गया है। इसके साथ ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव नीरजा शेखर को इसी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं, विश्वजीत सहाय को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई है।

सत्यमेव जयते
Government of India

चुनावी रैली में चले प्याज

मधुबनी में रैली कर रहे नीतीश पर प्याज फेंके गए तो 5 बार बोले- फेंको, खूब फेंको

मधुबनी। मधुबनी के हरलाखी में सीएम नीतीश कुमार की चुनावी सभा में लोगों ने आलू-प्याज फेंका। हालांकि, इनमें से कोई भी आलू-प्याज सीएम तक नहीं पहुंचा। इस दौरान भी नीतीश रैली को संबोधित करते रहे और उन्होंने कहा- जितना फेंकना है, फेंकते रहो। नीतीश के सुरक्षाकर्मी जब विरोध करने वालों को रोकने पहुंचे तो नीतीश ने उन्हें भी रोक दिया। कहने लगे कि उन्हें रोकिए मत, फेंकने दीजिए। इसके बाद लोगों की ओर से आलू-प्याज फेंकना बंद हो गया। नीतीश ने इसके बाद तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। पूछा कि जो आज नौकरी देने की बात कह रहा है, 15 सालों में कितने लोगों को उसने नौकरी दी। नीतीश ने कहा, हमने बिहार में अर्थव्यवस्था 24 हजार करोड़ से 2 लाख 11 हजार करोड़ तक पहुंचाई। प्रदेश का विकास किया। पहले की सरकार के दौरान बिहार को 7 सौ मेगावाट बिजली मिलती थी, इसे बढ़ाकर हमने 6 हजार मेगावाट कर दिया। घर-घर बिजली देने का काम किया। मधुबनी पेंटिंग को उद्योग में परिवर्तन करने के लिए इसे आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी से जोड़ा। इसके प्रशिक्षण के लिए सौराठ में विद्यालय देकर मिथिला और मैथिली का मान बढ़ाया।

आज तीन और राफेल लड़ाकू विमान पहुंच रहे भारत, दुश्मनों की अब खैर नहीं

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना को और ताकतवर बनाने के लिए बुधवार को तीन और राफेल लड़ाकू विमान भारत पहुंच रहे हैं। इस विमान के पहुंचने से वायुसेना की ताकत में और इजाफा होगा और दुश्मनों को जंग के मैदान में धूल चटाने में मदद मिलेगी। जानकारी के अनुसार फ्रांस से उड़ान भरने के बाद तीनों राफेल विमान रास्ते में रुके बिना भारत पहुंचेंगे। सूत्रों ने बताया कि फ्रांस के एयरबेस से गुजरात के जामनगर तक की लंबी उड़ान के दौरान फ्रांसीसी वायुसेना का हवा में ईंधन भरने वाला विमान भी साथ रहेगा। बता दें कि पांच राफेल विमानों का पहला बेड़ा 28 जुलाई को भारत पहुंचा था। इस बेड़े ने फ्रांस से उड़ान भरने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हाल्ट किया था। भारत ने फ्रांस से 59,000 करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदने का करार किया है।

अखिल भारतीय मराठी चित्रपट निर्माता महामंडळ यांच्या महाराष्ट्र राज्य के उपध्याक्ष पद पर. सुनिल ज्ञानदेव भोसले स्टार टीवी-9 संपादक महाराष्ट्र राज्य इनकी नियुक्ती कियी है, इसलिए युवा नेता ऋषिराज अशोक बापु पवारजी ने शुभकामनाएं दी

अखिल भारतीय मराठी चित्रपट निर्माता महामंडळ यांच्या मुंबई महाराष्ट्रा राज्य उपध्याक्ष पद पर सुनिल ज्ञानदेव भोसले स्टार टीवी-9 संपादक महाराष्ट्र राज्य और केसरी मराठवाडा पुणे ग्रामीण संवादाता और हिंदुसम्राट संवादा इनकी नियुक्ती कियी है। महाराष्ट्रातील कलाकर्मी यां के समस्या छोडने के लिए समस्या, सरकार के तथा जनता कि समस्या, छोडने के लिए प्रयास करनेवाले है यह उन्होने बताया। कोरोना महामारी से सब हतबल हो गये है,क लाक्षेत्र,कामगार,कलाकार इनको पुनश्च खडा करने के लिए जल्द योजना शुरू करनेवाले है ऐसा सुनिल ज्ञानदेव भोसले जी ने कहा है। श्रीमान सुनील ज्ञानदेव भोसले इनको अखिल भारतीय मराठी चित्रपट निर्माता महामंडळ के द्वारा महाराष्ट्र राज्य उपध्याक्ष पद पर नियुक्ती कियी गयी है इस लिए श्रीमान. ऋषिराज अशोक बापु पवार युवा नेते राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी, श्रीमान.रंजनभैय्या झांबरे अध्यक्ष.युवक राष्ट्रवादी काँग्रस पार्टी शिरूर, उद्योजक श्रीमान संजयशेठ चव्हाण,उद्योजक श्रीमान.योगशभैय्या चव्हाण और श्रीमान.प्रशांत प्रकाश पवार राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी सोशल मीडिया शिरूर तथा सभी मान्यवर व्यक्ती शुभकामनाएँ दियी है।

बुलढाणा हलचल

देऊलगांव राजा नगर परिषद में सफाई कर्मचारियों ने वेतन की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को दिया निवेदन

दिवाली के दिन, झाड़ू मार्च और काले रिबन के साथ भीख मांग आंदोलन

संवाददाता

बुलढाणा। जिला कलक्टर को आज एक बयान दिया गया क्योंकि नगर परिषद देउलगांव राजा के सफाई कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से उनका वेतन नहीं मिला है। कोरोना की इस अवधि के दौरान, सफाईकर्मियों को कोरोना वारियर्स कहा जाता था और उन्होंने बड़े परिश्रम से शहर की सफाई का काम किया है। इसलिए, सरकार के निर्णय के अनुसार, सफाईकर्मियों को 15000 रुपये की दिवाली अग्रिम प्रदान की जानी चाहिए,नगर निगम के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए छठे वेतन आयोग के शेष अंतर का बकाया तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए, 12 साल की सीनियर ग्रेड और 24 साल के सिलेक्शन ग्रेड के लिए आवेदन करके नगरपालिका स्केवियर्स को तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए।इसके साथ ही विभिन्न मांगों का निवेदन कलेक्टर को सौंपा हैं।मांग पूरी नहीं होने पर सभी सफाईकर्मचारी 13 नवंबर को सुबह 7 बजे से सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे और अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल की चेतावनी दी गई।निवेदन में यह भी चेतावनी दी गई कि 14 नवंबर को सुबह 7 बजे से सुबह 5 बजे तक काले रिबन पहने हुए, कोरोना के नियमों का पालन करते हुए एक झाड़ू मार्च और भीख आंदोलन किया जाएगा। निवेदन पर मोतीलाल सूनगत, गोपीचंद सूनगत, संजय चितेकर, लक्ष्मण हिवाळे , भगवान साळ्वे , किशोर हिवाळे , अशोक अंभोरे, प्रकाश खरात, अहमद बेग मोहम्मद बेग, कैलास सूनगत, कैलास तेजी, नादिर बेग आजीज बेग, गावंजी बाबा लोखंडे, संतोष सरकटे, अमोल खरात, सुभाष सुनगत संतोष सून गत नौशाद बॅग चंदन नगर योगेश साळ्वे पुनम बाई सु नगत मंगला कचरू हिवाळे सूनिता खरात हेमलता, टीम में इस सहित कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर हैं।

रामपुर हलचल

मण्डी समिति में लगने वाला तहसील समाधान दिवस में अनेकों प्रकार की शिकायतों के चलते मौके पर ही कुछ निस्तारण किये

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। मण्डी समिति में लगने वाला तहसील समाधान दिवस में अनेकों प्रकार की शिकायतों के चलते मौके पर ही कुछ निस्तारण किये जाने के आदेश जारी किये गये बाकी अन्य शिकायतों का निस्तारण जांच उपरान्त समाधान किये जाने को लेकर निर्देशित किया गया अपना दल एस के जिला महासचिव मो० वकील एडवोकेट, ने अपने अन्य साथियों सहित लालपुर पर अस्थाई पुल पर नदी एवं दोनों पुल के छोरों पर मिटटी डलवाकर गडढे भरवाये जाने तथा रोजाना पानी डलवाकर उड़ती धूल को खत्म किये जाने की मांग की गई है गहरे गडढों से 4 पहिया 2 पहिया वाहन गहरे गडढों के चलते फिसल कर रह जाते हैं जिसके चलते यात्रियों को अक्सर गम्भीर चोटें आ जाती है मु० फारूक पुत्र अ० रशीद निवासी मोहल्ला बरगद ने गाटा सं० 67 रकबा 0.154 स्थित ग्राम टाण्डा लिप्टिस की बगिया को लेकर पेड़ों के सम्बंध में शिकायत कर अवगत कराया गया वीर सिंह पुत्र टूंडा ग्राम सेंटाखेड़ा ने अपने घरेलू विधुत कनेक्शन काटे जाने को लेकर,कासम अली पुत्र हशमत अली निवासी मोहल्ला नज्जूपुरा मीना बाजार ने अपना तीन किलो वाट का मीटर लगवाया था अधिक तेज रीडिंग चलने को लेकर तकनीकी खराबी दूर किये जाने तथा मीटर बदलवाये जाने की मांग की गई है इस दौरान उपजिलाधिकारी अभय कुमार, सी.डी.ओ गजल भारद्वाज, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अन्य विभाग के कर्मचारी गण सहित बाल विकास परियोजना से सी.डी.पी.ओ ऊमा बंसल, पूनम शर्मा, ममता सक्सैना, विमला देवी, नीता, रेखा, अपना दल एस नगरध्यक्ष हाजी बाबू, अब्दुल मारूफ ,मो०असजद, एम सगीर, मो०रफी, अफजाल अहमद, शेलेष वर्मा, अ० रऊफ आदि मौजूद रहे।

नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सांठ गांठ के चलते पीड़ित मरीजों को किया जाता है परेशान

टाण्डा (रामपुर)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सांठ गांठ के चलते पीड़ित मरीजों को किया जाता है परेशान, दलालों आदि के माध्यम के चलते मामूली सी चोट आने पर की जाती है धनवसूली, बाद में पीड़ित मरीज को कर दिया जाता है जिला मुख्यालय रेफर, मनमानी का रवैय्या है चरम सीमा पर,भृष्टाचार पर दिया जा रहा है ध्यान, सरकार के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जियां नगर के मात्र एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मारपीट आदि के केस जैसे ही अस्पताल में पहुंचते हैं वैसे ही अस्पताल के कर्मी ही पीड़ित के परिवार वालों से मिलकर एवं उनसे सांठ गांठ कर केस को हाई फाई अमला पहनाने के पाठ पढ़ाकर सिम्पल ऐंजेरी आदि के नाम पर 10 से 15 हजार रुपए तक ठगीमार कर उनसे धन ऐंठ लिया जाता है बाद में उसी मरीज को जिला मुख्यालय रेफर कर दिया जाता है भृष्टाचार को खुलेआम अन्जाम देकर अपनी जेबें गरम करने में लगे हुए हैं एवं धन न दिये जाने पर खरी खौटी सुनाकर पीड़ित मरीज के परिवार वालों के साथ अच्छा बर्ताव तक नहीं किया जाता है जिला मुख्यालय पहुंचने पर भी मरीज इधर उधर भटकता रहता है उसके उपरान्त मरीज को आपात कालीन सेवा उपलब्ध कराई जाती हैं उचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराये जाने को लेकर कानूनी पाठ पढ़ाया जाता है सांठ गांठ के चलते भृष्टाचारी को बढ़ावा देते हुए कार्य को अन्जाम दिया जा रहा है जब कि सरकार के आदेशों एवं नियमों को ताक में रखकर छोटे कर्मचारी से लेकर उच्च अधिकारियों तक धन की उगाही एवं वसूलयावी की जाती है जब कि प्रथम स्थिति को देखते हुए पीड़ित मरीज की सेवा प्रदान करनी चाहिये ऐसा न कर खुलैआम धज्जियां उड़ाई जा रही है मामूली सी धाराओं का मेडिकल बनाकर मरीज के हाथ में थमा दिया जाता है बाद में मरीज को पछतावा होने पर मजबूर हो कर अपने घर बैठे जाने पर मजबूर होना पड़ता है भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अ० सलाम ने मुख्य मंत्री का पत्र प्रेषित कर शीघ्र कार्यवाही किये जाने एवं भृष्टाचार पर रोक लगाये जाने की मांग की गई है।

मधुबनी हलचल

बिहार में अस्पताल आईसीयू के आईसीयू में है: तेजस्वी यादव

नीतीश जी ने महागठबंधन के नाम पर वोट लेकर जनता के साथ विश्वासघात करने का काम किया: तेजस्वी यादव

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी (केवटी)। आज तेजस्वी यादव ने 86-केवटी विधानसभा क्षेत्र के खिरमा पंप के निकट दिन के 12:40 में राजद प्रत्याशी अब्दुल बारी सिद्दिकी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। श्री तेजस्वी यादव ने कहा कि कमाई, पढ़ाई और दवाई के लिए लोग दूसरे प्रदेश जाते है। बिहार में करोड़ो बेरोजगारों की तादाद है लेकिन नीतीश जी और मोदी जी को नजर नहीं आती है।

15 साल से बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं और एनडीए की सरकार है। नीतीश जी ने 15 सालों में सिर्फ भ्रष्चार ही किया है। लगभग 60 बड़े घोटाले किए हैं जिसमें की 30 हजार करोड़ की लूट हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार की ऐसी हालात हो गयी हैं कि थाना, ब्लॉक में बिना चढ़ावे के काम नहीं होते है। श्री यादव ने आगे कहा कि नीतीश जी ने शिक्षा व्यवस्था को चौपट

कर दिया है। अस्पताल की बदहाली किसी से छुपी हुई नहीं है। थोड़ी सी बारिश होती है तो आई०सी०यू० में पानी घुस जाता है। श्री यादव ने कहा कि बिहार के असप्ताल का आई०सी०यू० भी आई०सी०यू० तब्दील हो चुका है। उन्होंने कहा कि दरभंगा मधुबनी के लोग खासकर पलायन करते हैं। जब मजदूर बाहर फंसे हुए थे तब बिहार के मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री आवास में छुपे हुए थे और अभी हेलीकॉप्टर से घूम-घूम कर वोट मांग रहे है। पूरे बाढ़ में मुख्यंमत्री जी बिहार की जनता के बीच से गायब रहे। लेकिन अभी वोट वो किस मुंह से मांग रहे है। श्री यादव ने कहा कि बिहार की जनता ने पिछली बार महागठबंधन को वोट दिया लेकिन नीतीश जी ने बिहार की जनता के साथ विश्वासघात करने का काम किया। श्री यादव ने कहा कि जात-पात की राजनीति अब बहुत हो गई, अब युवा की बात होनी चाहिए, श्री यादव ने कहा की 15 साल नीतीश जी को मिला लेकिन बिहार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भुखमरी, पलायन कुछ भी खत्म नहीं हुआ, महंगाई बढ़ गई है। इसलिए इसबार बिहार को बदलाव चाहिए।श्री यादव ने कहा कि अगर मेरी सरकार बनती है तो सबसे पहले कैबिनेट के पहले हस्ताक्षर से 10 लाख नौजवानों को रोजगार देने का काम करूंगा। वृद्धा पेंशन 400 से एक हजार, कृषि ऋण माफ किया जाएगा, बिजली के दरों को आधा किया जाएगा।

नियोजित शिक्षकों को समान काम का सामान वेतन, एस० टी०ई०टी० सहित सभी लोगों को पर्मानेंट किया जाएगा। आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, स्किम वर्कर का मानदेय को दुगुना किया जाएगा। जनसभा में राजद प्रत्याशी अब्दुल बारी सिद्दीकी, जिला अध्यक्ष राम नरेश यादव, मुस्लिम बेदारी कारवां के अध्यक्ष नजरे आलम, संतोष पासवान, भागलपुर बांका के इकबाल अंसारी, भोला सहनी, ओमप्रकाश खेड़िया, राजकिशोर यादव, फतेह अहमद, रामचन्द्र साहु, जकी अहमद, नारायण जी झा, मो० नूरैन, आफताब आलम, सहील अब्बासी के अलावा हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीयर से पाएं स्किन की कई प्रॉब्लम से छुटकारा

बीयर केवल पार्टियों में पीने के काम नहीं आती बल्कि यह चेहरे को निखारने में भी काफी फायदेमंद है। इसमें पाया जाने वाला अल्कोहल पोर्स को साफ करके स्किन को हाइड्रेट भी करता है। जरूरत के अनुसार बीयर का इस्तेमाल करना शरीर और फेस दोनों के लिए लाभकारी हैं। किडनी में स्टोन होने पर इसे पीने से स्टोन गल कर बाहर आ जाता है और अगर आपके फेस पर मुहांसे, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स है तो आप इस से बने फेस पैक का इस्तेमाल करके चेहरे को निखार सकते हैं। आज हम आपको इससे बने 5 फेस मास्क बताएंगे, जिसे यूज करके आप स्किन की परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

1. ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से पाएं छुटकारा

अगर आप चेहरे पर हुए ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान है तो आप घर पर इस फेस पैक को बना कर इस्तेमाल कर सकते है। इस पैक को बनाने के लिए 3 स्ट्राबेरीज पीस लें और फिर इसमें 3-4 बूंद बीयर की मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें। इसे लगाने से आप ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं।

2. ऑयली स्किन के लिए फेस पैक

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो इस पैक को ट्राई कर सकते हैं।

इसे बनाने के लिए एक बाउल में 2 चम्मच ऑलिव ऑयल, 2 चम्मच शहद, 1 चम्मच नींबू का रस और बीयर की कुछ ड्रॉप्स अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इसे फेस पर 15 मिनट तक लगाए और बाद में धो लें। इसे सप्ताह में एक बार ही लगाएं।

3. क्लीनजिंग करने के लिए

स्किन थकी-थकी और रूखी लगने पर आप इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक बाउल में 1 चम्मच बीयर, एक अंडा और बादाम तेल के 2 ड्रॉप्स डाल कर अच्छे से मिक्स करके पैक बना लें। इस पैक को लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह धो लें। यह पोर्स में मौजूद गंदगी और टॉक्सिन को साफ करके स्किन फ्रेश बना देगा।

4. ग्लोइंग फेस के लिए

अगर आप स्किन पर ग्लो लाना चाहते हैं तो आप इस पैक से कुछ मिनटों में स्किन को चमका सकते हैं। इसे बनाने के लिए बीयर की कुछ ड्रॉप्स को 1 चम्मच प्लेन दही, नींबू के रस, एग व्हाइट और बादाम तेल में मिलाएं और फिर पेस्ट की तरह बनने पर इसे फेस पर लगाकर सूखने दें। फिर कुछ मिनटों के बाद ठंडे पानी से धो लें। इससे आपका फेस काफी ग्लो करने लगेगा।

5. मुंहासों से पाएं छुटकारा

अगर आप मुंहासों से परेशान है तो 1 अंडा, 2 चम्मच शहद और बीयर को मिला कर पेस्ट की तरह पैक बना लें और फिर इसे रूई के साथ मुंहासे पर 15 मिनट के लिए लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इस पैक का इस्तेमाल आप गर्दन, चेहरे, पीठ या चेस्ट पर कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है धतूरे का पौधा, कई बीमारियां होंगी दूर

धतूरे पौधे का इस्तेमाल हिन्दू धर्म में भगवान को चढ़ाने और भांग बनाने के लिया किया जाता है। इसके अलावा धतूरे का इस्तेमाल आयुर्वेदिक औषधिए बनाने के लिए किया जाता है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर धतूरा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। धतूरे का सेवन दमा, शरीर में सूजन, गर्भधारण, मिर्गी, बवासीर और कमजोरी जैसी अनेक बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। आज हम आफको धतूरे के सेवन से दूर होने वाली बीमारियों के बारे में बताने जा रहें है।

1. बवासीर

धतूरे के फूल या पत्तियों को जला लें। इसके बाद इसके धुएं से बवासीर के मस्सों की सिकाई करें। इसके अलावा धतूरे के पत्तों को पीसकर इसका सेवन करने से भी बवासीर की समस्या खत्म हो जाती है।

2. गठिया

धतूरे का रस निकालकर तिल के तेल में मिक्स करके गर्म करें। इसके बाद इस तेल से दर्द वाली जगहें पर मालिश करें। नियमित रूप से इसकी मालिश गठिया रोग को दूर कर देती।

3. बदन दर्द

धतूरे की पत्तियों, फूल, बीच को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सरसों या तिल के तेल में पका लें। इस तेल को दर्द वाली जगहें पर लगाने से आपको दर्द से तुरंत आराम मिल जाएगा।

4. गर्भधारण

2.5 ग्राम धतूरे के चूर्ण में घी मिक्स करके रोजाना सेवन करें। इससे महिलाओं को जल्दी गर्भधारण करने में मदद मिलती है।

5. आंख में दर्द

आंख में दर्द, सूजन या इंफेक्शन को दूर करने के लिए इसके अर्क की कुछ बूदें डालें। इससे आपको तुरंत आराम मिल जाएगा।

6. बवासीर

धतूरे के पत्तों को जलाकर इसके धुएं से बवासीर के मस्सों पर सेंक करें। इसके अलावा धतूरे के बीजों के तेल की मालिश करने से भी बवासीर दूर हो जाती है।

7. कान दर्द

कान दर्द होने पर 250 मि.ग्राम सरसों का तेल, 60 मि.ग्राम गंधक और 500 ग्राम धतूरे के पत्तों को धीमी आंच पर पकाएं। इसके बाद इस तेल की 2 बूंदे कान में डालें। इससे कान का दर्द तुरंत गायब हो जाएगा।

8. बुखार

बुखार या कफ होने पर 125 -250 मि.ग्राम धतूरे के बीजों की राख मरीज को दें। इससे बुखार या कफ गायब हो जाएगा।

रोजाना 30 मिनट करें यह योग, दूर होंगी कई बीमारियां

बिगड़ते लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण आजकल लोग कई बीमारियों का शिकार हो जाते है। इनसे छुटकारा पाने के लिए लोग दवाइयों के साथ-साथ कई घरेलू नुस्खें भी करते है। इसके अलावा खुद को हेल्दी रखने के लिए लोग रोजाना हेल्दी फूड का सेवन और एक्सरसाइज करते है। आज हम आपको ऐसी ही एक एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहें है जिसे करने से आप हेल्दी तो रहेंगे साथ ही इससे कई बीमारियां भी दूर हो जाएगी। रोजाना आधे घंटे इस व्यायाम करने को नियमित रूप से करने पर आपको कई हेल्थ बेनिफिट्स होंगे। तो चलिए जानते है आपकी कई परेशानियों को दूर करने वाले व्यायाम के बारे में।

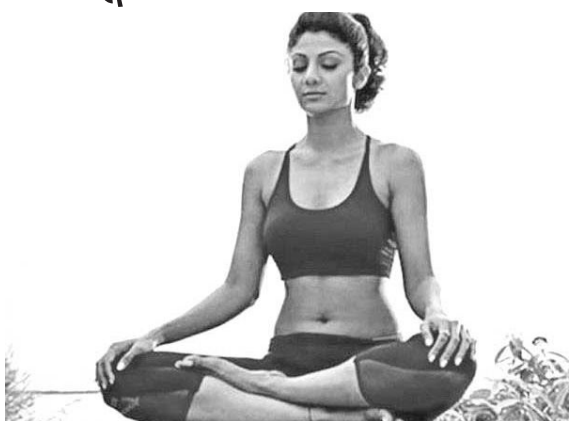

कपालभाति करने का तरीका

वैसे तो कुछ लोग रोजाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करते है लेकिन कपालभाति करने से आपकी कई परेशानियां दूर हो जाएगी। कपालभाति एक ऐसी सांस की प्रक्रिया है जो सिर तथा मस्तिष्क की क्रियाओं को नई जान प्रदान करती है। इसके लिए ध्यान की मुद्रा में बैठकर आंखें बंद करें और शरीर को ढीला छोड़ें। इसके बाद धीरे से सांस अंदर ले और उसके बाद बाहर छोड़ें। शुरूवात इसे 30 बार करें और धीरे धीरे इसे 100-200 तक करें। 5-10 मिनट तक इस योग को करने से आपकी कई परेशानियां दूर हो जाएगी।

कपालभाति योग करने के फायदे:

1. 10 से 15 मिनट रोजाना इस योग को करने से आपके शरीर में रक्त प्रवाह अच्छे से होता है। इसके कारण आपकी स्किन ग्लो करने लगती है।
2. मोटापा कम करने के लिए लोग न जाने क्या-क्या करते है। रोजाना 25 मिनट तक कपालभाति करने से आपकी शरीर की काफी कैलोरी बर्न होती है और मोटापा कम होता है।
3. इसे करने से आप पूरा दिन फ्रेश तो महसूस करते ही है साथ ही इससे तनाव भी दूर होता है।
4. कपालभाति करने से पाचनतंत्र बहुत मजबूत होता है, जिससे कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी समस्याएं दूर रहती है। जिन लोगों को खाना पचाने में प्रॉब्लम होती है उनके लिए यह योग सबसे बेस्ट है।
5. रोजाना इस योग को करने से आपकी नाड़ियां स्वस्थ रहती है। इससे आपको किसी प्रकार की कोई समस्यां नहीं होती।
6. यह योग करने से पेट की मासपेशियों सक्रिय रहती है जो कि डायबिटीज मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है।

इन लोगों को नहीं करना चाहिए कपालभाति

हर्निया, मिर्गी, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाइपरटेंशन, पेट की सर्जरी के बाद और स्टेंट के मरीजों कों यह योग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान, गर्भावस्था से पहले और बाद में यह योग नहीं करना चाहिए।

लंबे समय दिखना हैं जवान तो डाइट में शामिल करें यह चीज

बढ़ती उम्र में लोगों को त्वचा और सेहत संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उम्र बढ़ने पर चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं। अगर आप चाहते हैं कि बढ़ती उम्र में भी जवा दिखें तो अपनी डाइट में सलाद को शामिल करें। सलाद सेहत के लिए सबसे अधिक पौष्टिक आहार हैं। रोजाना इसे खाने से आप लंबे समय तक जवान दिख सकते हैं। कुछ लोग सलाद में फलों और सब्जियों का सेवन भी करते हैं। आप सलाद जितनी अधिक प्रकार का लेगें उतना ही आपकी सेहत को फायदा मिलेगा। आज हम आपको बताते हैं सलाद खाने के फायदे

1. वजन को रखें कंट्रोल

कुछ लोगों को बार-बार खाने की आदत होती हैं। जिसके कारण उनका वजन बहुत तेजी से बढ़ने लगता हैं। अगर आपको भी यही आदत हैं तो आप अपने खाने में सलाद लें। जिससे आपका पेट भी भरेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा।

2. अनिद्रा

सलाद में ऐसे पदार्थ पाए जाते हैं जो अनिद्रा की परेशानी को दूर करते हैं। अगर आपको अच्छी नींद न आने की प्रॉब्लम हैं तो आपको रोजाना सलाद खाना चाहिए।

3. रोगों से रखें दूर

सलाद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर शरीर को बीमारियों से दूर रखते हैं। सलाद खाने से पेट साफ रहता है और कब्ज की समस्या नहीं होती।

4. ग्लोइंग फेस

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए लोग न जाने क्या-क्या तरीके अपनाते हैं। सलाद का सेवन करने से आपकी स्किन नैचुरली ग्लोइंग होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अक्षय और कृति 2021 से 'बच्चन पांडे' की शूटिंग करेंगे शुरू

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार फिल्म बेल बॉटम की शूटिंग खत्म करने के बाद हाल ही में पीरियड-ड्रामा 'पृथ्वीराज' की शूटिंग कर चुके हैं। वहीं, यह साल खत्म होने से पहले अक्षय कुमार 'अतरंगी रे' का शूट समाप्त करेंगे और फिर कोरोनो महामारी के बीच अपनी चौथी फिल्म बच्चन पांडे की शूटिंग जनवरी से शुरू करेंगे, जो मार्च तक चलेगी। खबर के मुताबिक, फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार एक गैंग्स्टर के रोल में नजर आएंगे वहीं, कृति सैनन जर्नलिस्ट की भूमिका में दिखाई देंगी। इससे पहले दोनों सितारों ने फिल्म हाउसफुल 4 में काम किया था, जो सुपरहिट साबित हुई थी। एक सोर्स ने बताया, अक्षय जल्द एक्ट्रेस कृति सैनन, निर्देशक फरहाद सामजी और यूनिट के बाकी सदस्यों के साथ 2 महीने के शूटिंग शेड्यूल के लिए जैसलमेर के जाएंगे, वहां पर वह रियल लोकेशन्स में शूटिंग करेंगे। पिछले महीने प्रोडक्शन टीम ने सभी आवश्यक परमिशन ले ली है और सभी सरकारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखा गया है और शूटिंग लोकेशन को फाइनल कर दिया गया है।

खुश हैं नुसरत

मशहूर अभिनेत्री नुसरत भरूचा की फिल्म छलांग आने वाली है। यह उनका डिजिटल डेब्यु भी है। नुसरत खुश हैं कि फिल्म अब दर्शकों के पास पहुंचेगी। इस फिल्म के निर्देशक हैं हंसल मेहता और मुख्य किरदार में नजर आएंगे राजकुमार राव। कोरोना वायरस की वजह से थिएटर बंद कर दिए गए थे। हालांकि अब सिनेमा हॉल खुल गए हैं लेकिन दर्शक अभी थिएटरों में जाने से कतरा रहे हैं। खबर के मुताबिक दोबारा काम शुरू होने से नुसरत काफी खुश हैं। नुसरत ने ये भी बताया कि कैसे लॉकडाउन के वक्त अपने माता पिता के साथ उन्होंने घर के काम किए और एक दूसरे के साथ वक्त बिताया। छलांग के थिएटर के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बारे में नुसरत ने बताया कि फिल्म फाइनली दर्शकों तक पहुंच रही है। यह काफी समय से तैयार थी। मैं खुश इसलिए भी हूं क्योंकि ये अमेजन प्राइम पर आ रही है। प्राइम के पास वही ऑडिएन्स, हैं जो हमें इस फिल्म के लिए चाहिए। मुझे लगता है कि हमें बेहतर व्यूवरशिप मिलेगी और चूंकि टीवी की पहुंच ज्यादा है इसलिए यह ज्यादा से ज्यादा दर्शकों के पास पहुंचेगी।

अंकिता लोखंडे ने विकी जैन के लिए किया फीलिंग्स का इजहार

अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर फिर से काफी ऐक्टिव हैं। वह अपने वीडियोज, फीलिंग्स और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। रीसेंटली उन्होंने विकी जैन के साथ प्यारी तस्वीर पोस्ट की है। इसके साथ मेसेज लिखा है। इसमें उन्होंने विकी जैन को कई बातों के लिए थैंक यू और एक बात के लिए सॉरी भी लिखा है। अंकिता ने लिखा है, तुम्हारे लिए मेरी जो फीलिंग्स हैं उन्हें बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। जब मैं हम दोनों को साथ देखती हूं तो मेरे मन में एक बात आती है कि मैं बहुत आभारी हूं जो ईश्वरन ने तुम्हें मेरे जीवन में दोस्त, पार्टनर और सोल मेट की तरह भेजा है। हमेशा मेरे साथ होने के लिए शुक्रिया। मेरी सारी समस्याओं को अपना बनाने और जब भी मुझे जरूरत हो, मदद करने के लिए थैंक यू। मेरा सपोर्ट सिस्टम बनने के लिए थैंक यू। सबस खास बात, मुझे और मेरी सिचुएशंस को समझने के लिए थैंक यू।